ब्रिटेन में नगा मानव खोपड़ी की नीलामी संबंधी विवाद

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

हाल ही में नगालैंड एवं भारत के अधिकारियों की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद 19वीं शताब्दी की **"सींग वाली नगा खोपड़ी"** की ब्रिटेन में नीलामी को रद्द किया गया, जिससे मानव अवशेषों के संवेदनशील मुद्दे तथा औपनिवेशिक विरासतों के संदर्भ में विमर्श को बढ़ावा मिला है।

- नीलामी में **19वीं सदी की नगा खोपड़ी की** कीमत **3,500-4,500 पाउंड आंकी गई साथ ही** पापुआ न्यू गिनी, बोर्नियो, सोलोमन द्वीप एवं बेनिन, कांगो और नाइजीरिया जैसे अफ्रीकी देशों से संबंधित अवशेष भी नीलामी में मौजूद थे।
- **नगालैंड के मुख्यमंत्री** और **नागरिक समाज ने** नीलामी के खिलाफ **विरोध प्रदर्शन** किया।
    - **इन्होंने इसे** औपनिवेशिक हिंसा **और** नस्लवाद की निरंतरता के रूप में संदर्भित किया तथा नगा लोगों को **"असभ्य" एवं "शिकारी "** के रूप में संदर्भित करने जैसी हानिकारक रूढ़ियों को नकारा, जो **ब्रिटिश उपनिवेशवाद में निहित एक चरित्र-चित्रण है।**
    - स्थानीय मानव अवशेषों की बिक्री (विशेष रूप से औपनिवेशिक शासन के दौरान चुराए गए अवशेषों की) की **नैतिक उल्लंघन के रूप में कड़ी निंदा की गई।**
    - कहा जाता है कि **मानव अवशेषों की नीलामी** स्थानीय लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा (UNDRIP) **के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन है** जिसमें कहा गया है: " **स्थानीय लोगों को अपनी संस्कृतियों, परंपराओं, इतिहास और आकांक्षाओं की गरिमा एवं विविधता का अधिकार है,** जो शिक्षा एवं सार्वजनिक सूचना में उचित रूप से परिलक्षित होना चाहिये।"
- नगा समुदाय **ऑक्सफोर्ड स्थित पिट रिवर्स म्यूज़ियम** से **अपने पूर्वजों के अवशेषों को वापस लाने** के प्रयासों में शामिल रहा है, जहाँ ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान एकत्र की गई लगभग **6,500 नगा कलाकृतियाँ रखी हुई हैं।**

//

अधिक पढ़ें: नगा विद्रोह

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uk-naga-skull-auction-controversy